यमुना आरती

ॐ जय यमुना माता, हरि जय यमुना माता |

जो नहावे फल पावे सुख दुःख की दाता ||

ॐ जय यमुना माता …………

पावन श्रीयमुना जल शीतल अगम बहै धारा |

जो जन शरण में आया कर दिया निस्तारा ||

ॐ जय यमुना माता ……………..

जो जन प्रातः ही उठकर नित्य स्नान करे |

यम के त्रास न पावे जो नित्य ध्यान करे ||

ॐ जय यमुना माता ………………

कलिकाल में महिमा तुम्हारी अटल रही |

तुम्हारा बड़ा महातम चारो वेद कही ||

ॐ जय यमुना माता …………….

आन तुम्हारे माता प्रभु अवतार लियो |

नित्य निर्मल जल पीकर कंस को मार दियो ||

ॐ जय यमुना माता ....

नमो मात भय हरणी शुभ मंगल करणी |

मन बेचैन भया हैं तुम बिन वैतरणी ||

ॐ जय यमुना माता ....